[काव्य सौन्दर्य के तत्व]

(रस, छन्द, अलंकार)

(क) रस

↓

"विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः"

— भरतमुनि

"विभाव अनुभाव एवं व्याभिचारी (संचारी) भाव आदि के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है।"

- **स्थायी भाव :—** सहृदय (पाठक/दर्शक) के हृदय में जो भाव स्थायी रूप से विद्यमान रहे।

- **विभाव —** जिसके कारण रस प्राप्त होता है।

प्रकार - 2

- आलम्बन वि०
  - (आलम्बन) → जिसके कारण स्थायी भाव जगे।
  - (आश्रय) → जिसके हृदय में स्थायी भाव जगे।
- उद्दीपन वि० → स्थायी भावों को उद्दीप्त करें।

- अनुभाव — आश्रय की बाह्य चेष्टाएँ।

  ↓

  जैसे— रोमांच, कम्पन, स्वेद।

• संचारी भाव — क्षण भर के लिए उठने वाले भाव। (33) ↓
(पानी के बुलबुलों के समान)

// हास्य रस //

*परिभाषा — किसी की विकृत वेशभूषा, चेष्टा आदि को देखकर जब 'हास' नामक स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव एवं व्यभिचारी भाव आदि द्वारा पुष्ट होता है, तब हास्य रस की निष्पत्ति होती है।

जैसे —

"जेहि दिसि बैठे नारद फूली।
सो दिसि तेहि न बिलोकी भूली॥
पुनि-पुनि मुनि उमगहिं अकुलाहीं।
देखि दसा हर-गन मुसकाहीं॥"

स्पष्टीकरण —

• स्थायी भाव — हास
• विभाव — आलम्बन — नारद मुनि आश्रय — हर-गन
उद्दीपन — विलक्षण आकृति, चेष्टा।
• अनुभाव — हँसना, खड़े होना, भागना।
• संचारी भाव — हर्ष, चपलता, चंचलता।

अन्य उदाहरण —

• विंध्य के बासी ..... पगु धारे।
• हँसि-भाजै ..... के विवाह में।
• अन्धे हमे शहर ..... रहे हैं।
• तुम रोज ..... चावे प्यार करो।

करुण रस

परिभाषा :-

'शोक' नामक स्थायी भाव विभाव, अनुभाव, संचारी भाव के संयोग से 'करुण रस' की निष्पत्ति होती है।

(or)

ईप्सित/इष्ट वस्तु के नाश से जब हृदय में क्षोभ/दुःख उत्पन्न होता है, उस उत्पन्न क्षोभ को करुण रस कहते हैं।

जैसे —

"अभी तो मुकुट बंधा था माथ।
हुए कल ही हल्दी के हाथ॥
खुले भी नथे लाज के बोल
खिले थे चुम्बन शून्य कपोल।
हाय रुक गया यही संसार,
बना सिंदूर अनल अंगार।
वातहत लतिका यह सुकुमार
पड़ी है छिन्ना धार॥"

स्पष्टीकरण →

स्थायी भाव — शोक

विभाव — आलम्बन - अभिमन्यु
उद्दीपन - अभिमन्यु का मृत शरीर
आश्रय — अभिमन्यु की पत्नी

अनुभाव - सिर पटकना, छिन्नाधार पड़े होना।

संचारी भाव — स्मृति, विषाद, प्रलाप, विलाप।

अन्य उदाहरण →

- शोक विकल .... बारहिं बारा ॥
- मनि खोए .... जगदीश ॥
- नख्या पेख .... मोखी ॥
- ब्रज के बिरही .. लोग दुबारे ॥

Gyansindhu Coaching Classes